ROJGAR WITH ANKIT

वर्तनी

PART→4

दीर्घ स्वर ꣳ
लघु स्वर ꣳ

* ꣳ अनुस्वार, का पंचमाक्षर में बदलना

स्पर्श व्यंजन → (25)

क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न

(ं) आगे कौन-सा वर्ण आ रहा है।

पंखा → पङ्खा
गंगा → गङ्गा
चंचल → चञ्चल
चंदन → चन्दन
संगम → सङ्गम
तंग → तङ्ग
संधि → सन्धि
अंजलि → अञ्जलि
अंधा → अन्धा
गुंडा → गुण्डा
शंकर → शङ्कर

नियम नं०-4 र सम्बंधी नियम

/ , ^ , ꣿ → (ऋ)

(र) → राम, रामपाल

(/) → प्रकार → पदेन (र), पदेन (/) का प्रयोग खड़ी पाई वाले वर्णों के साथ किया जाता है।

उदाहरण-: प्रेम, प्रकाश, प्रकार
प्रमुख, प्रमोद, प्रबल
प्रभा, प्रभाव, ग्रह

(^) → इसका प्रयोग गोल पाई वाले वर्णों के साथ किया जाता है।

उदाहरण-: ड्रम, ट्रक, मेट्रो, ड्रामा, ट्रांसफर राष्ट्र, हाइड्रोजन, नाइट्रोजन, ट्राफी

रेफ (र) → रेफ र हमेशा बोला, तो शब्द के बीच में जाता है, लेकिन इसकी मात्रा अपने से आगे वाले वर्ण के ऊपर चढ़ाई जाती है।

(C)

(ये स्वर-रहित होता है।)

उदाहरण-: आशीर्वाद, निर्माण, विमर्श, निर्जल, निर्बल, दुर्बल, निर्णय, अनिवार्य, वर्तनी, शर्मा, कर्मा, कर्म आदि।

प्रश्न-: निम्न शब्दों में से शुद्ध वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-

⇒ उर्मिला

प्रश्न-: शुद्ध वर्तनी वाला शब्द बताओ?

⇒ ट्रैक्टर

(ऋ) का प्रयोग-: इसका प्रयोग हमेशा तत्सम (संस्कृत) के शब्दों में किया जाता है।

(C)

उदाहरण: श्रृंगार, कृपा, कृपया, कृषि, कृपण, मृग, सृष्टि, दृष्टि, पृथ्वी, मृत्यु, वृद्धि, मृदा आदि। अमृत, वृंदावन

(आवाज़)

र+इ → रि

नियम नं०-5 ई संबंधी नियम

→ जिन शब्दों में (ई) बड़ी ई होती है, तो उस शब्द का बहुवचन बनाने पर (ई) छोटी (इ) में बदल जाती है।

उदाहरण :-

लड़की → लड़कियाँ
नारी → नारियाँ
दवाई → दवाइयाँ
नदी → नदियाँ
साड़ी → साड़ियाँ
बकरी → बकरियाँ
इक्का ई → इक्काइयाँ
घड़ी → घड़ियाँ

उ० ढ़ → ताड़न जात
प्रक्षिप्त ध्वनि
द्विगुण